नैक (NAAC) द्वारा "A" ग्रेड प्राप्त

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya, Wardha

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252651 मो.9960562305 इ-मेल: mgahvpro@gmail.com

वेबसाइट : www.hindivishwa.org

हिंदी विवि में अंग्रेजी भाषा-साहित्य में एम.ए. का पाठ्यक्रम शुरू

वर्धा, 27 मई 2016: नैक द्वारा 'ए' ग्रेड प्राप्त महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा के साहित्य विद्यापीठ के अंतर्गत अंग्रेजी साहित्य विभाग में डिप्लोमा इन इंग्लिश, सर्टिफिकेट इन इंग्लिश, एडवांस्ड डिप्लोमा इन इंग्लिश के अध्ययन- अध्यापन से आगे बढ़ते हुए अब अंग्रेजी भाषा- साहित्य में स्नातकोत्तर स्तर पर भी अध्ययन-अध्यापन का निर्णय लिया गया है| इस सन्दर्भ में पाठ्यक्रम को स्वरूप देते हुए उसे भारतीय भाषा-समाज की आवश्यकताओं के अनुरूप रखने की कोशिश की गयी है| अंग्रेजी भाषा- साहित्य के अध्ययन में एक तरफ भारतीय भाषा-साहित्य के उपयोग का तो दूसरी तरफ उसे भारतीय भाषा-साहित्य और भारतीय समाज के लिए अधिक- से- अधिक उपयोगी बनाने का विचार इस पाठ्यक्रम में अन्तर्निहित है| इसके लिए अंग्रेजी भाषा साहित्य के स्नातकोत्तर स्तरीय अध्ययन के चारो सेमेस्टरों में एक- एक ऐच्छिक प्रश्न-पत्र की व्यवस्था है| इसके अंतर्गत अनुवाद में अथवा साहित्य की, देश-काल और पर्यावरण-सम्बन्धी अभिव्यक्तियों में अथवा भाषा-विज्ञान में अथवा साहित्य-शास्त्र में रुचि रखने वाले विद्यार्थी इनमें से किसी एक का चयन अपने अध्ययन के लिए कर सकते हैं| पाठ्यक्रम की संरचना की एक खासियत यह भी है कि आगे के सेमेस्टरों में विद्यार्थी अपने चयनित विकल्प के गहरे और विस्तृत अध्ययन से जुड़ता जाता है| उल्लेखनीय है कि आजादी के लिए अंग्रेजी सत्ता से न सिर्फ राजनैतिक बल्कि वैचारिक, सभ्यतामूलक और सांस्कृतिक संघर्ष के पुरोधा महात्मा गाँधी के अंग्रेजी–साहित्य पर प्रभाव के आकलन को भी इस पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया गया है| इसके साथ ही यह भी उल्लेखनीय है कि अंग्रेजी भाषा- साहित्य में स्नातकोत्तर स्तर के अध्ययन का जो पारंपरिक स्वरूप विभिन्न विश्वविद्यालयों में कायम है, उसके सर्वसामान्य अंश को भी इस पाठ्यक्रम से जोड़े रखा गया है|

महात्मा गाँधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा से अंग्रेजी भाषा साहित्य में स्नातकोत्तर स्तरीय अध्ययन अंग्रेजी के ज्ञान के साथ ही भारतीय भाषा-साहित्य की महत्ता का भी बोध कराता है| यह अंग्रेजी ही नहीं 'भारतीय अंग्रेजी' के स्वरूप को स्पष्ट करता है| अंग्रेजी शिक्षण-प्रशिक्षण में निजभाषा का उपयोग विद्यार्थियों को काम चलाने भर अंग्रेजी जानने से बढ़ कर, अन्य के भावों और विचारों की रटंत अभिव्यक्ति की क्षमता से बढ़ कर मौलिक रूप से सोचने समझने का सामर्थ्य भी देता है, और यह स्थिति, जाहिर है कि रोजगार पाने के लिहाज से तो बेहतर है ही, दूसरों को रोजगार मुहैय्या करा सकने की सम्भावनाओं से भी लैस है|